Date: 29 जून 2023

नंदी पोर्टल

पाठ्यक्रम: जीएस 2 / शासन, सरकारी नीतियां

सदर्भ-

- केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने **(एनएएनडीआई नई दवा और टीकाकरण प्रणाली के लिए एनओसी मंजूरी) पोर्टल** लॉन्च किया।

नंदी पोर्टल-

- इसे **पशुपालन और डेयरी विभाग** (डीएएचडी) ने **केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन** (सीडीएससीओ) के सहयोग से विकसित किया है ।

उद्देश्य:-

- इस पोर्टल से, डीएएचडी केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के सुगम पोर्टल के साथ बिना किसी रोक-टोक अधिक सुव्यवस्थित तरीके से पशु चिकित्सा उत्पाद प्रस्तावों का मूल्यांकन और जांच करने के लिए पारदर्शिता के साथ नियामक अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाएगा।

महत्व-

- पहल को डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ाने और पशुधन तथा पशुधन उद्योग के कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।
- नंदी पोर्टल की शुरुआत पशु टीकाकरण कवरेज पहल और मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (एमवीयू) के बाद एक और उल्लेखनीय कार्य है।
- यह पहल व्यावसायिक दृष्टिकोण से भी शोधकर्ताओं और उद्योगों को मूल्यवान सहायता प्रदान करेगी।
- पशुपालकों में जागरूकता बढ़ाने और लॉजिस्टिकल सुविधाओं में सुधार से दवाओं की खपत में वृद्धि होगी।
- यह पोर्टल नियामक प्रक्रिया को तेज और मजबूत करने के लिए डिज़ाइन की गई एक सहज इंटरकनेक्टेड प्रणाली के माध्यम से **विभिन्न सरकारी विभागों, संस्थानों और उद्योग के बीच** त्वरित समन्वय को सक्षम करेगा।
- नंदी (नई दवा और टीकाकरण प्रणाली के लिए एनओसी मंजूरी) की शुरुआत के साथ, डीएएचडी अपनी पशु महामारी तैयारी पहल (एपीपीआई) के हिस्से के रूप में निर्धारित हस्तक्षेपों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पशु महामारी तैयारी पहल (APPI)-

- समग्र एकीकृत रोग निरीक्षण और निगरानी प्रणाली की स्थापना की जाएगी। इसे राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन पर निर्मित किया जाएगा।

- रोग प्रतिरूपण (मॉडलिंग) एल्गोरिदम और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली का निर्माण किया जाएगा ।
- विनियामक प्रणाली को सुदृढ़ किया जाएगा। उदाहरण के लिए, नंदी ऑनलाइन पोर्टल और फील्ड ट्रायल दिशा-निर्देश।
- प्राथमिकता वाले रोगों के लिए टीका / निदान / उपचार विकसित करने हेतु लक्षित अनुसंधान और विकास।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ)-

- सीडीएससीओ केंद्र सरकार के तहत दवा नियामक एजेंसी है, जो मुख्य रूप से **ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940** के प्रावधानों को लागू करती है।
- इस अधिनियम में नई औषधियों का **अनुमोदन, उनके नैदानिक परीक्षणों का संचालन, आयातित औषधियों का विनियमन,** फार्माकोविजिलेंस और राज्यों की गतिविधियों का समन्वय करना शामिल है ताकि उक्त अधिनियम के प्रशासन में पूरे देश में एकरूपता प्राप्त की जा सके।

सुगम पोर्टल –

- सुगम औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत सीडीएससीओ द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों का निर्वहन करने के लिए एक ई-गवर्नेंस प्रणाली है।
- यह एक ऑनलाइन वेब पोर्टल है जहां आवेदक **एनओसी, लाइसेंस, पंजीकरण प्रमाण पत्र, अनुमतियों और अनुमोदन के लिए आवेदन कर सकते हैं।**
- यह आवेदकों को ट्रैक करने, प्रश्नों का जवाब देने और सीडीएससीओ द्वारा जारी अनुमतियों को डाउनलोड करने के लिए एक ऑनलाइन इंटरफ़ेस प्रदान करता है।

स्रोत: पीआईबी

Rajiv Pandey

चैंपियंस 2.0 पोर्टल

पाठ्यक्रम: जीएस 3 / अर्थव्यवस्था-

सदर्भ-

- अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, एमएसएमई ने 'चैंपियंस 2.0 पोर्टल' और 'क्लस्टर परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी केंद्रों की जियो-टैगिंग के लिए मोबाइल ऐप' लॉन्च किया।

प्रमुख बिन्दु-

- चैंपियंस 2.0 पोर्टल और ऐप को एमएसएमई द्वारा अपनी क्लस्टर परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- जियो टैगिंग परियोजनाओं की वास्तविक समय की निगरानी, ट्रैकिंग और मूल्यांकन को सक्षम करेगी, पारदर्शिता और प्रभावी संसाधन उपयोग सुनिश्चित करेगी।

अन्य पहल-

- 'एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 2.0' के परिणाम घोषित किए गए और महिला उद्यमियों के लिए 'एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 3.0' लॉन्च किया गया।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

- एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन: एक इनोवेटर जिसके पास एक अभिनव विचार है, वह ऑनलाइन मोड के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत कर सकता है।
- इन विचारों का मूल्यांकन पांच संबंधित डोमेन विशेषज्ञ चयन समितियों (डीईएससी) द्वारा किया जाएगा, जिसमें उद्योग/शिक्षा/सरकार के विशेषज्ञ शामिल होंगे।
- डीईएससी द्वारा विस्तृत मूल्यांकन के बाद, अनुशंसित विचारों को अंतिम अनुमोदन के लिए परियोजना निगरानी और सलाहकार समिति (पीएमएसी) को भेज दिया जाएगा।
- अनुमोदित विचारों को आगे के विकास के लिए योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

पहल का उद्देश्य-

- मंत्रालय का उद्देश्य अपनी योजनाओं और पहलों के माध्यम से एमएसएमई के लिए कारोबारी माहौल में सुधार करना, नवाचार और नए उत्पादों और सेवाओं के विकास को प्रोत्साहित करना, क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना, घरेलू और वैश्विक बाजार दोनों में बाजार के अवसर पैदा करना और एमएसएमई को टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

भारत में एमएसएमई क्षेत्र-

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), छोटे आकार के व्यावसायिक उद्यम हैं जिन्हें उनके निवेश के संदर्भ में परिभाषित किया गया है।

क्षेत्र का महत्व:-

- जीडीपी में योगदान: भारत में, इस क्षेत्र ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और निर्यात में एमएसएमई के महत्व पर जोर दिया और उम्मीद हैं कि एमएसएमई 2030 तक देश की जीडीपी में 50% का योगदान देगा।
- विकास में योगदान: देश के सामाजिक आर्थिक विकास में इस क्षेत्र का प्रमुख योगदान है। इस क्षेत्र ने उद्यमिता विकास के संबंध में भी काफी योगदान दिया है, विशेष रूप से भारत के अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में।
- देश की अर्थव्यवस्था के विकास में भारतीय एमएसएमई की भूमिका
  2014 के बाद से, भारत की जीडीपी रैंकिंग में 10वें से 5वें स्थान पर महत्वपूर्ण उछाल देखा गया है।

व्यवधान:-

- वैश्विक मंदी, आपूर्ति में व्यवधान और रूस-यूक्रेन युद्ध की चिंताओं के बावजूद, भारत एक तेजी से विकास करती अर्थव्यवस्थाओ में से एक है, जो अधिकांश प्रमुख उभरते बाजारों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है।
- 6.3 करोड़ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, जो सकल घरेलू उत्पाद का 30 प्रतिशत हिस्सा हैं और लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं, ने लचीलेपन की इस भावना का प्रदर्शन किया है।
- एमएसएमई क्षेत्र के कई उद्योगों में बिक्री महामारी से पहले के 90 प्रतिशत के स्तर तक पहुंचने के साथ, भारत के छोटे व्यवसाय एक बदलाव की पटकथा लिख रहे हैं।

स्रोत: पीआईबी

Rajiv Pandey

प्रधानमंत्री का मिस्र दौरा

पाठ्यक्रम: जीएस 2 / अंतर्राष्ट्रीय संबंध

सदर्भ-

- हाल ही में,प्रधान मंत्री मोदी 24-25 जून 2023 तक मिस्र की दो दिवसीय यात्रा पर थे।

यात्रा के परिणाम-

- भारत और मिस्र ने अपने संबंधों को '**रणनीतिक साझेदारी**' तक बढ़ाया है, जिसमें चार प्रमुख तत्व शामिल हैं: राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग, वैज्ञानिक और अकादमिक सहयोग; सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संपर्क।
- दोनों देशों ने **तीन और** समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए –
  - कृषि और संबद्ध क्षेत्र;
  - स्मारकों की सुरक्षा और परिरक्षण
  - पुरातात्विक स्थल; और प्रतिस्पर्धा कानून।
- नेता ने **जी-20 में आगे सहयोग** पर चर्चा की, खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए एक ठोस आवाज की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।
- काहिरा में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने पीएम मोदी को मिस्र के सर्वोच्च सम्मान '**ऑर्डर ऑफ द नील**' से सम्मानित किया।

मिस्र में प्रधान मंत्री द्वारा दौरा किए गए स्थान-

- **काहिरा में अल-हकीम मस्जिद:** 11 वीं शताब्दी की मस्जिद को भारत के **दाऊदी बोहरा** समुदाय की मदद से बहाल किया गया था। यह काहिरा में **चौथी सबसे पुरानी** मस्जिद है, और शहर में बनने वाली दूसरी फातिमिद मस्जिद है। **गीजा के पिरामिडों का** दौरा करने के अलावा, उन्होंने **हेलिओपोलिस राष्ट्रमंडल युद्ध कब्रिस्तान** का भी दौरा किया और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मिस्र और फिलिस्तीन में लड़ने और अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत और मिस्र के बीच ऐतिहासिक संबंध-

- भारत और मिस्र ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से एक महत्वपूर्ण राजनयिक संबंध साझा किया जब भारतीय सम्राट अशोक ने मिस्र के शासक **टॉलेमी द्वितीय फिलाडेल्फस** के दरबार में अपने दूत भेजे।
- मिस्र के राजा ने **डायोनिसियस** नामक अपने स्वयं के राजदूत को पाटलिपुत्र में मौर्य दरबार में भी भेजा।
- यह घटना दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच सबसे पुरानी ज्ञात बातचीत को चिह्नित करती है, जिसने दोनों के बीच राजनयिक जुड़ाव की नींव रखी।

भारत और मिस्र के बीच संबंधों का विकास:-

- भारत ने 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता मिलने के बाद ही काहिरा के साथ **द्विपक्षीय संबंध** स्थापित किए बाद के वर्षों में यह संबंध और मजबूत हो गया।
- **गुट निरपेक्ष आंदोलन (एनएएम):** दोनों देशों ने यूगोस्लाविया, इंडोनेशिया और घाना के साथ गुट निरपेक्ष आंदोलन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संबंधों में भिन्नता:-

- लेकिन 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध से जब काहिरा ने सोवियत संघ के नेतृत्व वाले गुट से दूरी बनाते हुए अमेरिका के करीब जाना शुरू किया तो भारत-मिस्र संबंधों में भी शून्यता का भाव भरने लगा ।

- 1970 के दशक में कट्टरपंथी अरब राज्यों के लिए अपनी गहरी पश्चिमी विरोधी बयानबाजी और सहानुभूति के साथ, भारत मिस्र की चिंताओं और हितों के प्रति संवेदनशील नहीं था।

संबंधों का पुनरुद्धार-

- 2014 के बाद से, भारत ने पश्चिम एशियाई देशों के साथ जुड़ने की मांग की है। इसके अलावा भारत ने महसूस किया कि मिस्र इस क्षेत्र में एक प्रमुख देश है
- मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने इस साल की शुरुआत में **गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि के** रूप में भारत का दौरा किया था।

सहयोग का क्षेत्र-

आर्थिक और व्यापार सहयोग:-

- मिस्र परंपरागत रूप से भारत के सबसे महत्वपूर्ण अफ्रीकी व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है।
- मार्च 1978 से दोनों देश मोस्ट फेवर्ड नेशन क्लॉज पर आधारित द्विपक्षीय व्यापार समझौते से बंधें हुए हैं।
- भारत की तीन प्रमुख कंपनियों ने मिस्र में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए 18 बिलियन डॉलर के एमओयू पर हस्ताक्षर किए है।
- भारत मिस्र से खनिज तेल, उर्वरक, अकार्बनिक रसायन और कपास जैसे उत्पादों का आयात करता है जबकि आयरन एंड स्टील, लाइट व्हीकल्स और कॉटन यार्न का मिस्र को निर्यात करता है। मिस्र के पास सोने, तांबे, चांदी, जस्ता और प्लेटिनम का बड़ा भंडार है।
- भारत अप्रैल 2022-दिसंबर के दौरान मिस्र का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था 2022 में मिस्र के वस्तुओं का 11 वां सबसे बड़ा आयातक था और उसी समय के दौरान मिस्र का 5 वां **सबसे बड़ा** निर्यातक था।

रक्षा सहयोग:-

- **डेजर्ट वॉरियर** – भारत और मिस्र की वायु सेनाओं के बीच संयुक्त सामरिक अभ्यास।
- **'साइक्लोन-1' :** भारत और मिस्र की सेनाओं द्वारा आयोजित दो सप्ताह लंबा संयुक्त अभ्यास।
- **बुनियादी ढांचे में निवेश**: हाल के वर्षो में भारत-मिस्र व्यापार संबंधों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 15 बिलियन डॉलर के वर्तमान भारतीय निवेश के साथ भारत मिस्र में सबसे बड़े निवेशक के तौर पर उभर कर आया है।

भारत के लिए मिस्र का महत्व-

- **मिस्र का सामरिक स्थान:** मिस्र स्वेज़ नहर के साथ रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है, जिसके माध्यम से वैश्विक व्यापार के 12% का परिचालन किया जाता है। मिस्र के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाकर भारत इस क्षेत्र में अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की उम्मीद करता है।
- रक्षा **उपकरणों के लिए बाजार:** भारत 42 से अधिक देशों को रक्षा वस्तुओं का निर्यात कर रहा है और मिस्र उनमें से एक है। साथ ही देश ने भारत के **तेजस विमान** की खरीद में अपनी रुचि दिखाई है।
- भारतीय **प्रवासी:** मिस्र में जीवंत भारतीय उपस्थिति लगभग **3,600 भारतीयों** की आबादी से प्रमाणित होती है जो विभिन्न व्यवसायों में लगे हुए हैं।

चुनौतियों

- मिस्र के **साथ चीन का जुड़ाव: मिस्र** में चीन द्वारा बढ़ता ढांचागत निवेश भारत के लिए चिंता का विषय है।
- मिस्र द्वारा सामना किए जाने वाले **आर्थिक मुद्दे** दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को बाधित करते हैं।

आगे का रास्ता-

- हालिया यात्रा एक नए युग में संबंध बनाने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करती है। पारस्परिक रूप से लाभप्रद और उदारीकृत आर्थिक और व्यापार व्यवस्थाओं का उपयोग करके सहयोग करने की स्थापना के लिए अपार अवसर हैं।
- इसके अलावा कृषि, प्रौद्योगिकी, रक्षा, हरित वित्त, दक्षिण-से-दक्षिण सहयोग, आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने और दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्र हैं।

स्रोत: इंडियन एक्स्प्रेस

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com